



0200 027203



सूमि मूल्यांकन सूची दर क्रमांक = ॥ गया नं० 650000॥ प्रति हक्केदार
 रशम्प का कुल योग = 415000/- + 20000/- = 435000/-
 लेख पत्र का प्रकार = जैनामा वि. मू. = 1250000/-
 का. मू. = 4350000/-

जाम विक्रेता मय पता: श्रीमती पुनोबाई पत्नी स्व. श्री
 शिवनाथ निवाली गाम बुढा पगना जिला झाँसी
 (उ.प्र.):

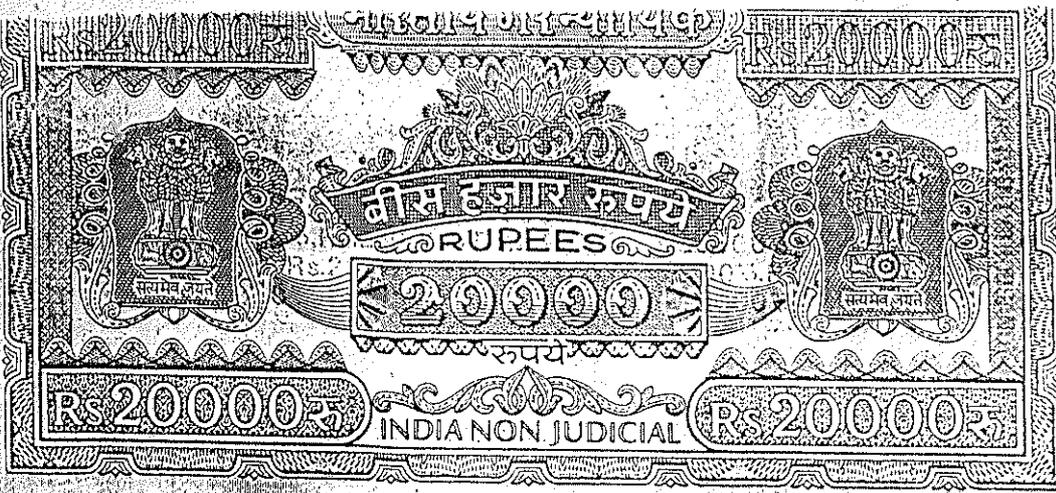
जाम विक्रेता मय पता: श्री विजय कुमार सरावा पुत्र
 श्री दामोदर दास सरावा निवाली कुजविहारी
 माँदर के पास मयूर अपार्टमेंट इवालेय (रोड)
 झाँसी (उ.प्र.):



श्रीमती पुनोबाई

श्री विजय कुमार सरावा





सम्पत्ति का विवरण: आराजी ग्राम धरती वाले सोला बूटा
 कुला कुलगांव पंशना व पिजा इत्यादि।
 आराजी नम्बर व रकबा जल में दर्ज है जो आराजी
 मुख्या गामसभा, कनकनौर या किसी इतर दूरकी
 सम्पत्ति नहीं है दस्तावेज द्वारा के साथ आराजी -
 मुख्या का नक्शा संलग्न है ताकि जो नक्शा मुज
 नम्बर व लाल से नक्शा जमा है जो नक्शा
 का अंश भाग है आराजी मुख्या सड़क का
 30-मी. इत व आवदी से 500 मी. इत लिखत है
 आराजी मुख्या विशुद्ध दृष्टिकोण ग्राम है आराजी
 मीर को ग्राम नहीं है।

आराजी नम्बर	-	रकबा	-	विशेषणीय नति/आदि
11 व	—	0.202 है.		राम होमम
12	—	0.384 है.		"
15। ग	—	0.502 है.		"

कुल 3 (तीन) कित रकबा 1.088 है. वता 1/3 (एक वश
 तीन) भाग यानी 0.362 है. (द्वितीय अंश का है (1/3 का)
 यानी अपना सम्पूर्ण भाग नम निया गया है जो -
 आराजी नम्बर 374 रकबा 0.546 है. वता 1/2 (एक
 वश दो) भाग यानी 0.273 है. (सकल इतिरफ्त वश दो
 एका) यानी अपना सम्पूर्ण दस्ता नम निया गया है

मि०जी मती फुलेवाडे 



विक्रेता अनुसूचित जाति रज वनजात को सदस्या नहीं है।

विक्रय मूल्य: 125000/- रुक लाव पच्चीस हजार रुपया जो पूर्व प्राप्त हो गया है।

बाजार मूल्य: 415000/- चा लाव पन्नाह हजार रुपया से अधिक नहीं है।

मैं कि विक्रेता उपरोक्त आराजा उपरोक्त को सम्पूर्ण रूप से मालिक का विज व दखोल है जो मही वम देना रहिन आदि नहीं है जो हर प्रकार के मुल्य वा निर्मातन से पाक साफ व नरी है चरकि मुल्य विक्रेता को कपयां को जकान है अतः मैं विक्रेता अपनी आराजा उपरोक्त व नीमत उपरोक्त से वरक केना उपरोक्त वम व फरोक्त काली है वरक वरक मालिकाना आज ही को नारीव से केना उपरोक्त को वरक को आव पर करु दिना है आधेकार आप केना आराजा गुवया से वम वरक करे मा किसी अन्य कयकित से न्यात करवे।

निन्दी मती पुनोपाड







कागजात मालिकान से मेरा नाम राजाजी नान्द अथवा नाम
 दर्ज कागजात करने न्य दिनाशेन करे जर्ज महें
 नि जो जी चाहे सो करे आज न्ये वारीव हे आजा
 मुंबया से मेरा या भी कागजात का कोई वास्ता न
 सोकोर नही रहा न आगवा होगा काश मिया.
 काही मुंबया को बजह से आजा मुंबया का
 कुल या जुज भाग न्ये को वा से निकल जाव
 नो न्ये व कम समय ह्यी व खर्चा को देना
 व जिम्मेदार मै विक्रम ई व भविष्य से जी.
 रूहगी लिखाजा बनेरहा वेस मह कोनामा वसनेका
 वरी कर दिया वानि वनद रहे समम पर काठ
 आज उक्त लपपति मुझ निकलना नी.
 पति लपपति है।

निम्नी मती फुलोकेठ

१५



दिनांक = 20.8.2003 ई. जयलक्ष्मी सुधीर सिंह -
जयलक्ष्मी सुधीर सिंह (उ.प.) :

मूल प्रमाण के निष्पावक/सत्यापक
श्री/शुद्धि के अभाव में विकारी एड
प्रमाणित है कोर्ट में हा
करा प्रमाण है ।

श्री/शुद्धि के अभाव में विकारी एड
प्रमाणित है कोर्ट में हा
करा प्रमाण है ।

श्री/शुद्धि के अभाव में विकारी एड
प्रमाणित है कोर्ट में हा
करा प्रमाण है ।

जगद (1)

श्री/शुद्धि के अभाव में विकारी एड
प्रमाणित है कोर्ट में हा
करा प्रमाण है ।

जगद (2)

श्री/शुद्धि के अभाव में विकारी एड
प्रमाणित है कोर्ट में हा
करा प्रमाण है ।

शुद्धि के अभाव में विकारी एड
प्रमाणित है कोर्ट में हा
करा प्रमाण है ।

श्री/शुद्धि के अभाव में विकारी एड
प्रमाणित है कोर्ट में हा
करा प्रमाण है ।

(1)

108-1111

2090
24-12-2003
प्रधान पार्टी मंत्र
विजय कुमार (अशोक) लक्ष्मी योगेश (काल) अशोक
निवासी मन्थल (कपूरेश्वर) काठमांडू ३२३ मन्थल

विजय कुमार (315)

विनोद कुमार गुप्ता
स्टाम्प बंधन ला० नं० - 165
तहसील - शिवी



20.8.2003

253
270

I

2441
3683

विजय कुमार (अशोक) मन्थल

पत्र संख्या 926102-03

दिनांक 26/9/03

30/10/20

मौजा - बुढा

तहसील - भाँसी

शुद्धी नं० ३७४

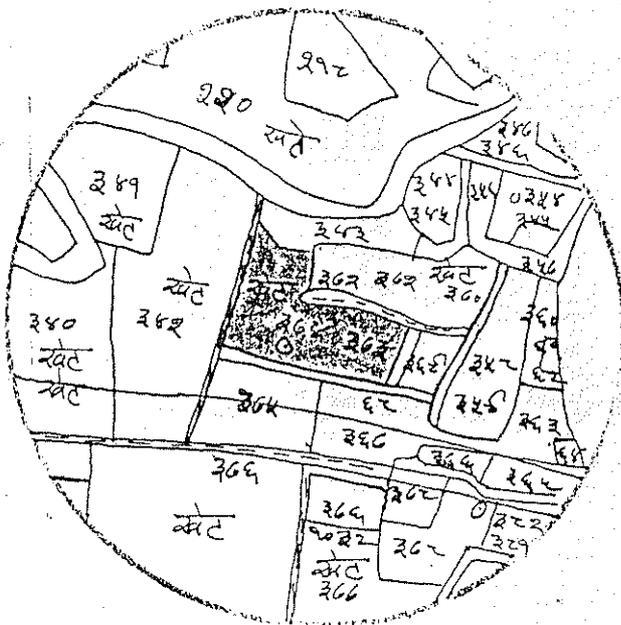
के २०० मी० त्रिज्या के

अन्तर्गत स्थित सम्पत्ति के विवरण का मानचित्र।

विक्रेता - श्रीमती पुन्तो

क्रेता - श्री विजय कुमार सरावगी

नोट - २०० मी० त्रिज्या की परीधि लाल रंग से प्रदर्शित है।



श्रीमती पुन्तो



विक्रेता

क्रेता

Traced by

Abdul Kadir 6/8/93

I.D.A. Office R.M.S.